

2 अगस्त को "पैलिटिका 16", जो कि अपर्णा वर्मा (भरतनाट्यम डांसर, रुस में ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन के द्वारा आयोजित 'स्टूडेंट स्प्रिंग फेस्टिवल' 2016 में भारत का प्रतिनिधित्व किया, इसके साथ ही साथ वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के रुसी एवं मध्य एशियाई अध्ययन संस्थान में शोध दाता हैं), के द्वारा किया गया स्क आनलाइन पहल है। इसके द्वारा "व्हाई एण्ड हाऊ आफ पोलिटिकल साइन्स एण्ड इण्टरनेशनल रिलेशन" विषय पर 'गूगल मीट' पर स्क वेबिनार आयोजित किया गया। इस वेबिनार में कई महत्वपूर्ण वक्ता विशेषकर दो बुद्धिजीवी वक्ता: डा. अमना मिजी (असिस्टेंट प्रोफेसर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) और डा. अभिषेक श्रीवास्तव (असिस्टेंट प्रोफेसर, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) के साथ-साथ आर्षिल भारतीय पुलिस सेवा के बैच 2018 के युवा अधिकारी श्री विकास सुण्डा (गुजरात काडर) को आमन्त्रित किया गया। अपर्णा वर्मा जो कि इस वेबिनार की निर्देशिका थी, उन्होने वेबिनार

में भाग लेने वाले पूरे देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा विद्यार्थियों, रिसर्च स्कालरों और प्रोफेसर्स की सक्रिय सहभागिता को पूरे सत्र के दौरान देखा।

इस कार्यक्रम की

पहली वक्ता डॉ. मिर्जा थीं, जिन्होंने अनोखे तरीके से कार्यक्रम की शुरुवात की। डॉ. मिर्जा ने सामयिक कोविड-19 महामारी के कारण शिक्षा के क्षेत्र में आरंभ संकट के बारे में बात की।

उन्होंने वर्तमान के परिदृश्य में पारदर्शिता और विश्वास के अभाव की बात की और इससे उत्पन्न होने वाले घटकों की समाप्ति के लिए विचार विमर्श किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'पोलिटिका 16' एक लीक से हटकर प्रयास है, यह सोशल मीडिया साइट 'इन्स्टाग्राम' पर उपलब्ध शैक्षिक कार्यक्रम है। 'पोलिटिका 16' विद्यार्थी एवं शिक्षक वर्ग के लिए सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध) के अध्ययन को अपने लक्ष्य के रूप में केन्द्रित करता है। अन्त में उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि



जिस दिन यह सेमिनार आयोजित किया गया है, उस दिन को पूरी दुनिया मिलता दिवस के रूप में मनाती है, अगर हम शिक्षा को देखें तो यह कभी हमारा साथ नहीं छोड़ती है और पूरे जीवन भर अपनी मिल्ता निभाती है।

इस कार्यक्रम के दूसरे वक्ता डॉ. आम्बेकर जीवास्तव थे, जिन्होंने राजनीति विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध के एक विषय के रूप में अध्ययन की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उनकी बात इस बात पर आधारित रही कि यह विषय किस तरह भारत और विदेश में उनके व्यावसायिक अवसर उपलब्ध करवा सकता है। उन्होंने भारत और विशेषकर जे.न.यू. के सन्दर्भ में अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन और स्टीरिया स्टी की वर्तमान स्थिति पर बर्चा की। उनकी यह बात उन विद्यार्थियों के लिए <sup>अत्यन्त</sup> लाभप्रद रही जो भविष्य में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध और स्टीरिया स्टी के क्षेत्र में उच्च अध्ययन के लिए जे.न.यू. में प्रवेश के इच्छुक हैं।

इस सेमिनार के आन्तिम वक्ता विकास सुण्डा थे, जिन्होंने विभिन्न तरह की प्रातियोगी परीक्षाओं विशेषकर संघ लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित की जाने वाली

प्रतियोगी परीक्षाओं में राजनीति विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन की भूमिका की बात की। उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रारम्भिक परीक्षा में सांख्यिक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। मुख्य परीक्षा में 250 नम्बर का पेपर भारतीय राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित है। इसके साथ ही साथ उन्होंने भारतीय पुलिस सेवा में राजनीति विज्ञान की व्यावहारिक पाठकों के बारे में अपने अनुभवों की श्रोताओं से साक्षात् किया। इसके साथ ही उन्होंने राजनीति विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की थिक टैंको में भूमिका पर चर्चा की।

सभी वक्ताओं ने जिस अपनी बर्तों के ऊपर एक अध्यापक और मार्गदर्शक के रूप में अपना विश्वास व्यक्त किया। वक्ताओं ने ~~नयी~~ 'नयी शिक्षा नीति' की प्रासंगिकता पर चर्चा की। वक्ताओं का यह विचार था कि नयी शिक्षा नीति से तहत 'पोलिटिका 16' नामक यह संगठन अपार सफलता प्राप्त करेगा। इस वेबिनार के अन्त में 'प्रश्नोत्तर' सत्र का आयोजन किया गया।

भविष्य में देश और विदेश में मौजूद श्रोताओं तक अपनी पहुँच बनाने के लिए 'पोलिटिका 16' के द्वारा ऐसे ही वेबिनार करवाए जाने की योजना है।